



Quran Plus School



वुज़ू का तरीका

हंबली

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ التَّوَّابِينَ وَيُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ

कुरआन 2:222

बच्चों और नए सीखने वालों के लिए क़दम-ब-क़दम — क्या धोना है, किसका मसह करना है और क्या पढ़ना है।

क़दम-ब-क़दम

अरबी

हिंदी उच्चारण

हिंदी मतलब

यह गाइड इसकी है:



ऑनलाइन खोलें
पाँचों मसलक · चार्ट



वुजू का तरीका — हंबली

इस फ़िक्ह का परिचय

इमाम अहमद बिन हंबल (164–241 हिजरी, बग़दाद) से मंसूब। ज़्यादातर सऊदी अरब, क़तर और अरब प्रायद्वीप के दूसरे हिस्सों में माना जाता है।

वुजू से पहले



पाक पानी इस्तेमाल करें और पानी बर्बाद न करें — चाहे दरिया के किनारे हों।



जो चीज़ पानी को खाल तक पहुँचने से रोके उसे उतार दें, जैसे नेल पॉलिश या रंग।



दाईं तरफ़ से शुरू करें और इत्मीनान से, ध्यान से वुजू करें।



अगर ज़रूरत हो तो पहले बैतुल-ख़ला (टॉयलेट) से फ़ारिग़ हो जाएँ।

वुजू ज़रूरी है

- हर नमाज़
- ख़ाना-ए-काबा का तवाफ़
- क़ुरआन मजीद को छूना

वुजू किन चीज़ों से टूटता है (सब मसलकों में)

- पेशाब या पाख़ाना
- हवा का ख़ारिज होना
- गहरी नींद
- बेहोशी

बाक़ी चीज़ों में मसलकों का फ़र्क़ है — तुलना चार्ट देखें।

यह गाइड कैसे इस्तेमाल करें

- हर क़दम पर रंगीन निशान इस फ़िक्ह में उसका हुक्म बताता है: फ़र्ज़, सुन्नत, वाजिब या मुस्तहब।
- ♦ का निशान बताता है कि इस क़दम में मसलकों का फ़र्क़ है। मुफ़्त तुलना चार्ट में पाँचों एक साथ देखें।
- असल मतन अरबी है; उच्चारण वाली लाइन सिर्फ़ मदद के लिए है। सही तलफ़्फ़ुज़ किसी उस्ताद से सीखें।
- किसी बड़े के साथ मशक़ करें, यहाँ तक कि इत्मीनान से ख़ुद कर सकें।

फ़र्ज़

वाजिब

सुन्नत

मुस्तहब

एहतियाम की बात

वुजू के ये पाँचों तरीक़े क़ुरआन (5:6) और सुन्नत ही से लिए गए हैं; हर मसलक ने दलीलों को अपनी समझ के मुताबिक़ लिया है। यह बच्चों और नए सीखने वालों के लिए एक आसान गाइड है, जैसा कि हर मसलक में आम तौर पर सिखाया जाता है — अपने मसलक पर अमल करें और तफ़सील किसी मुस्तनद आलिम या उस्ताद से सीखें।



वुजू का तरीका — हंबली

1 नीयत और बिस्मिल्लाह

◆ मसलकों में फ़र्क़

वाजिब

दिल में नीयत वुजू की शर्त है। इस फ़िक्ह में याद हो तो “बिस्मिल्लाह” कहना वाजिब है।

बिस्मिल्लाह

📖 सुनन नसाई 78

بِسْمِ اللَّهِ
بِस्मِल्लाह

मतलब: अल्लाह के नाम से।

2 हाथ

सुन्नत

💧 3 बार

दोनों हाथ कलाईयों तक धोएँ और उँगलियों के बीच पानी पहुँचाएँ।

3 कुल्ली

◆ मसलकों में फ़र्क़

फ़र्ज़

💧 3 बार

मुँह में पानी डालकर कुल्ली करें — हो सके तो मिस्वाक करें या उँगली से दाँत साफ़ करें। इस फ़िक्ह में कुल्ली चेहरा धोने का हिस्सा है, इसलिए फ़र्ज़ है।

4 नाक

◆ मसलकों में फ़र्क़

फ़र्ज़

💧 3 बार

दाएँ हाथ से नाक में पानी डालें और बाएँ हाथ से नाक साफ़ करें। इस फ़िक्ह में यह भी फ़र्ज़ है।

5 चेहरा

फ़र्ज़

💧 3 बार

पूरा चेहरा धोएँ: बालों की जड़ों से ठोड़ी के नीचे तक, और एक कान से दूसरे कान तक।

6 बाजू

फ़र्ज़

💧 3 बार

दायाँ बाजू उँगलियों के सिरों से कोहनी समेत धोएँ, फिर बायाँ बाजू।

7 पूरे सर का मसह

◆ मसलकों में फ़र्क़

फ़र्ज़

💧 एक बार

एक बार पूरे सर का मसह करें, आगे से पीछे और फिर वापस। पूरे सर का मसह फ़र्ज़ है।

8 कान

◆ मसलकों में फ़र्क़

फ़र्ज़

💧 एक बार

दोनों कानों के अंदर और पीछे का मसह करें — कान सर का हिस्सा हैं, इसलिए यह वाजिब है।



वुजू का तरीका — हंबली

9

पाँव

फ़र्ज



3 बार

दायाँ पाँव टखनों समेत धोएँ और छोटी उँगली से पाँव की उँगलियों के बीच साफ़ करें, फिर बायाँ पाँव।

10

तरतीब और तसलसुल

मसलकों में फ़र्क

फ़र्ज

तरतीब रखें (चेहरा, बाजू, सर, पाँव) और अंगों के बीच लंबा वक्फ़ा न करें — इस फ़िक्ह में दोनों फ़र्ज हैं।

11

वुजू के बाद

सुन्नत

वुजू पूरा होने पर कलिमा-ए-शहादत पढ़ें, फिर यह दुआ:

वुजू के बाद — कलिमा-ए-शहादत

सहीह मुस्लिम 234

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ، وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ
وَرَسُولُهُ

अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु वहदहु ला शरीका लह, व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुह

मतलब: मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वह अकेला है, उसका कोई शरीक नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद ﷺ उसके बंदे और रसूल हैं।

वुजू के बाद — दुआ

जामे तिरमिज़ी 55

اَللّٰهُمَّ اجْعَلْنِيْ مِنَ التَّوَّائِبِيْنَ وَاجْعَلْنِيْ مِنَ الْمُتَطَهِّرِيْنَ
अल्लाहुम्मज्अल्नी मिनत्-तव्वाबीना वज्अल्नी मिनल्-मुततह्हिरीन

मतलब: ऐ अल्लाह! मुझे तौबा करने वालों में से बना दे और मुझे पाक रहने वालों में से बना दे।



वुजू के 6 फ़र्ज

1. चेहरा धोना, कुल्ली और नाक में पानी डालने समेत। 2. दोनों बाजू कोहनियों समेत धोना। 3. पूरे सर का मसह, कानों समेत। 4. दोनों पाँव टखनों समेत धोना। 5. तरतीब। 6. तसलसुल। नीयत शर्त है, और याद हो तो “बिस्मिल्लाह” वाजिब है।

किसी बड़े के साथ मश्क

अम्मी-अब्बू या उस्ताद के सामने आहिस्ता-आहिस्ता वुजू करें। हर दिन एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुमा

शनि

इतवार



वुजू का तरीका — हंबली

मेरा वुजू ट्रैकर

हर नमाज़ से पहले अच्छी तरह वुजू करें तो एक गोला रंग दें।

हफ़्ता 1

	फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

हफ़्ता 2

	फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

जो क़दम मैं खुद कर सकता हूँ

1. नीयत और बिस्मिल्लाह ☐	2. हाथ ☐	3. कुल्ली ☐
4. नाक ☐	5. चेहरा ☐	6. बाजू ☐
7. पूरे सर का मसह ☐	8. कान ☐	9. पाँव ☐
10. तरतीब और तसलसुल ☐	11. वुजू के बाद ☐	

उस्ताद के दस्तखत

वालिदैन के दस्तखत



सर्टिफिकेट

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ

यह सर्टिफिकेट दिया जाता है

वुजू का तरीका क़दम-ब-क़दम सीखने पर — माशाअल्लाह!

हंबली



तारीख

उस्ताद / वालिदैन